भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 5474

दिनांक 05 अप्रैल, 2022 के लिए प्रश्न

डेयरी किसानों के लिए 'किसान क्रेडिट कार्ड' (केसीसी)

5474. श्री रितेश पाण्डेयः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि अस्थिर बाजार और तरल दूध के लिए अपर्याप्त लाभकारी मूल्य के कारण दूध उत्पादकों को आजीविका के संकट का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सच है कि घरेलू बाजार में स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) की मांग घट रही है और रुस और चीन के डेयरी किसानों के कारण गत तीन वर्षों के दौरान एसएमपी के निर्यात में 70 प्रतिशत की कमी आई है; और

(ग) क्या यह सच है कि देश में 230 दुग्ध संघों में से 1.5 करोड़ किसान ऐसे कुल डेयरी किसानों का एक-चौथाई भी नहीं है जिनके आवेदनों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृति दी गई है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) जी नहीं। सहकारी क्षेत्र में 6 प्रतिशत वसा और 9 प्रतिशत वसा रहित ठोस (एसएनएफ) वाले दूध के लिए किसानों को दी जाने वाली औसत दूध खरीद का मूल्य फरवरी 2021 में 37.38 रू. प्रति कि.ग्रा. से बढ़कर फरवरी, 2022 में 39.93 रू. प्रति कि.ग्रा. हो गया जो कि एक स्थिर बाजार का संकेत देता है।

(ख) सहकारी डेयरी क्षेत्र से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एसएमपी का मूल्य फरवरी 2021 के 274.11 रू. प्रति कि.ग्रा. से बढ़कर फरवरी 2022 में 285.44 रू. प्रति कि.ग्रा. हो गया जो कि पिछले एक वर्ष में हुई मांग में वृद्धि का संकेत देता है। एपीईडीए के अनुसार, एसएमपी का निर्यात पर्याप्त रूप से वर्ष 2019-20 के दौरान 935.41 मिट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2020-21 के दौरान 13,457.11 मिट्रिक टन और वर्ष 2021-22 (अप्रैल 2021 से जनवरी 2022) के दौरान 36668.19 मिट्रिक टन हो गया है।

(ग) भारत सरकार ने दिनांक 01.06.2020 से दिनांक 31.12.2020 के दौरान डेयरी सहकारी समितियों और दुग्ध उत्पादक कंपनियों से जुड़े पात्र डेयरी किसानों को केसीसी उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष अभियान आयोजित किया। डेयरी किसानों के लिए कुल 14,80355 केसीसी स्वीकृत किये गये हैं (दिनांक 25.03.2022 की स्थिति के अनुसार) जिनकी राशि 10974 करोड़ रू. है।

******